पाठ-11

काला धब्बा

आइए सीखें : ● अच्छे कार्य करने की प्रेरणा। ● अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास। ● शब्द रचना, शुद्ध उच्चारण ● सही वाक्य रचना ● विराम चिह्न ● क्रिया पद का ज्ञान।

स्वामी विवेकानन्द भारत के महान ज्ञानी थे। उनके गुरु का नाम था-'रामकृष्ण परमहंस'। एक बार विवेकानन्द एक विद्यालय में गए। वहाँ छोटे-छोटे बच्चे पढ़ते थे। उस विद्यालय के शिक्षक मन लगाकर पढ़ाते थे। अच्छी-अच्छी बातें सिखाते थे। मज़ेदार कहानियाँ सुनाते थे। वहाँ के सारे बच्चे बड़े ध्यान से पढ़ते थे।

स्वामी जी को वह विद्यालय अच्छा लगा। वे कक्षा में गए। बच्चों ने खड़े होकर स्वामी जी को प्रणाम किया। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद दिया। इसके बाद बच्चे अपनी-अपनी जगह बैठ गए। स्वामी जी ने सोचा कि बच्चों से कुछ पूछ लेता हूँ।

स्वामी जी- प्यारे बच्चों! बताओ, 'श्री राम' कौन थे?

सभी बच्चे - 'श्रीराम' अयोध्या के राजा थे।

शिक्षण संकेत : ■ शिक्षक स्थानीय स्तर के किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के विषय में बच्चों से चर्चा करें। ■ पाठ पढ़ाने से पूर्व पाण्डवों और राम, रावण के सम्बन्ध में चर्चा करें। ■ कठिन शब्दों की वर्तनी शुद्ध लिखने का पर्याप्त अवसर दें। ■ स्वामी विवेकानन्द से संबधित प्रेरक प्रसंग बच्चों को सुनाएँ।

स्वामी जी– 'रावण' कहाँ रहता था?

बच्चे– 'रावण' लंका में रहता था।

स्वामी जी– 'पाण्डव' कितने भाई थे?

बच्चे– 'पाण्डव' पाँच भाई थे।

इसके बाद स्वामी जी ने एक बहुत बड़ा सफेद कागज उठाया। उसे श्यामपट्ट पर लगा दिया। इसके बाद उन्होंने एक कलम उठाई। उस कलम में काली स्याही थी। स्वामी जी ने कागज़ पर छोटा सा निशान लगाया। सभी बच्चे बड़े ध्यान से देख रहे थे।

स्वामी जी– बच्चो ! बताओ, तुम्हें क्या दिख रहा है?

बच्चे – काला धब्बा।

स्वामी जी – बताइए कागज का रंग कैसा है?

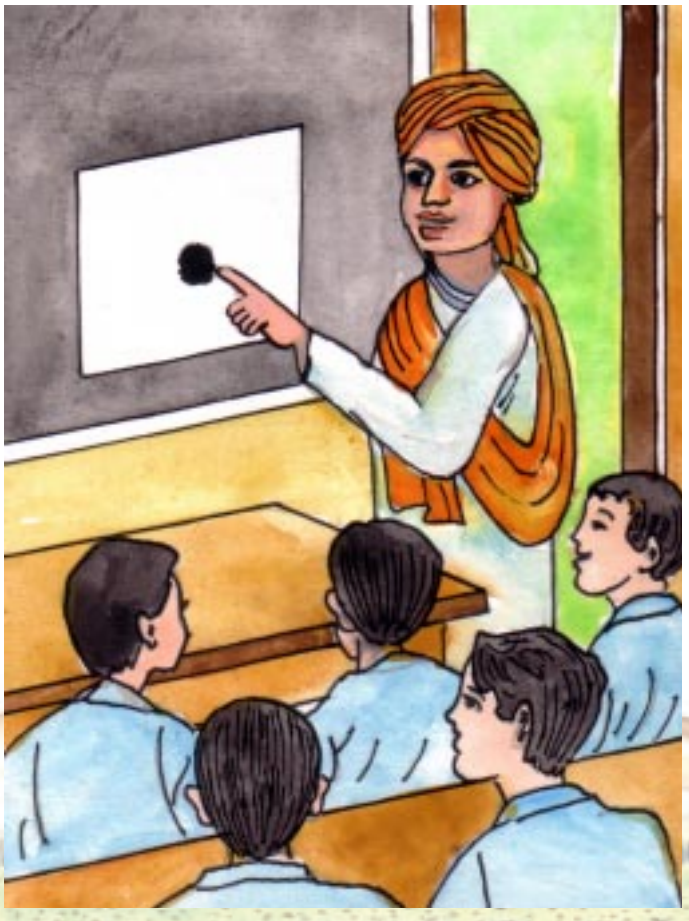

बच्चे – सफेद।

स्वामी जी – इस कागज़ पर ऐसे कितने धब्बे लगाए जा सकते हैं?

बच्चे– हजारों

स्वामी जी – बच्चो, काला धब्बा छोटा सा है और सफेद कागज बहुत बड़ा।

बच्चे – जी हाँ।

स्वामी जी – प्यारे बच्चो, जिस तरह इस कागज की हजारों गुना सफ़ेदी से पहले तुम्हें उस पर लगा

छोटा सा काला धब्बा दिखाई दिया। उसी तरह आदमी में हजारों गुण होने पर भी एक दोष पहले दिख जाता है। इसलिए हमें अपनी कमियों को धीरे-धीरे दूर करना चाहिए। अपने गुणों को न देखकर अपनी कमियाँ देंखें। इसके साथ-साथ हमें अपने जीवन में यह प्रयास करना चाहिए कि दूसरों की कमियाँ न देखकर उनके गुणों को देखें।

बुराइयाँ जल्दी पता चल जाती हैं, इसलिए बुरे काम कभी मत करो।

शब्दार्थ

महान – बहुत बड़ा
धब्बा – दाग
प्रयत्न – कोशिश
ग्रहण – लेना
प्रणाम – झुक कर अभिवादन करना

अभ्यास

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) स्वामी विवेकानन्द के गुरु का क्या नाम था ?

(ख) स्वामी विवेकानन्द कक्षा में क्यों गए ?

(ग) यदि आपकी कक्षा में अतिथि आएँ तो आप क्या करेंगे ?

(घ) स्वामी जी ने सफेद कागज़ पर क्या बनाया ?

(ङ) सभी बच्चों को काला धब्बा क्यों दिखाई दिया ?

2. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

(क) स्वामी जी ने बच्चों को ---------- दिया । (आशीर्वाद/पुस्तक)

(ख) श्रीराम -------- के राजा थे। (लंका/अयोध्या)

(ग) पाण्डव ---------- भाई थे । (तीन/पाँच)

(घ) आदमी में हजारों ---------- होने पर भी एक दोष पहले दिख जाता है। (दोष/गुण)

(ङ) ---------- जल्दी पता चल जाती हैं। (बुराइयाँ/गुण)

3. सही विकल्प चुनिए -

(क) अयोध्या के राजा थे -

(1) श्री कृष्ण (2) श्रीराम

(3) युधिष्ठिर (4) लक्ष्मण

(ख) रावण कहाँ का राजा था -

(1) नेपाल (2) लंका

(3) भूटान (4) बर्मा

(ग) हम महान बन सकते है-

(1) अपनी कमियाँ दूरकर (2) अपने गुण देखकर

(3) अपनी प्रशंसा कर (4) दूसरों की कमियाँ देखकर

भाषा अध्ययन

1 निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए-

विवेकानन्द	आशीर्वाद	प्रमाण	अयोध्या
कहाँ	श्याम पट्ट	धब्बा	प्रयत्न

2. निम्नलिखित शब्दों का क्रम सही लिखकर सार्थक वाक्य बनाइए।

(क) सकेंगे महान बन करने से ऐसा आप।

_____

(ख) है कैसा रंग कागज का ?

_____

(ग) मत करो कभी बुरे काम ।

_____

(घ) थे पढ़ते वहाँ छोटे-छोटे बच्चे ।

_____

3. विलोम शब्द की जोड़ी बनाकर लिखिए-

गुण	दोष
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

4. निम्नलिखित वाक्यों में से ऐसे शब्द छाँटकर लिखिए जिनसे कार्य करने या होने का पता चलता है।

(क) स्वामी जी ने एक बहुत बड़ा सफेद कागज उठाया। ------

(ख) उसे श्यामपट्ट पर लगा दिया। ------

(ग) उसके बाद उन्होंने एक कलम उठाई। ------

(घ) सभी बच्चे बड़े ध्यान से देख रहे थे। ------

यह भी जानिए - विराम चिह्न

वाक्य पूरा होने पर	(।)	पूर्ण विराम
वाक्य के बीच में	(,)	अल्प विराम
प्रश्न पूछने पर	(?)	प्रश्न वाचक चिह्न
किसी के कथन पर	(‘‘ ’’)	अवतरण चिह्न

5. नीचे दिए गए वाक्यों में विराम चिह्न लगाइए -

(क) स्वामी- बच्चों बताओ तुम्हें क्या दिख रहा है

(ख) बच्चे - काला धब्बा

योग्यता विस्तार

- पुस्तकालय से महान व्यक्तियों के संस्मरण खोजकर पढ़िए और कक्षा में सुनाइए।

- निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़िए और शिक्षक की सहायता से इसका आशय समझकर इसे अपने व्यवहार में लाइए।

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिल्या कोय।
जो दिल देखा आपना, मुझसा बुरा न कोय॥